प्रेस विज्ञप्ति

नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2015

16 फरवरी, 2015

चीन होगा नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला, 2016 का विशिष्ट अतिथि देश

आज पुस्तक मेले में बीजिंग इन्टरनेशनल बुक फेयर संगठन के प्रबंधक, युआन जिआंग ने बताया कि आगामी पुस्तक मेले में चीन अतिथि देश के रूप में भाग लेगा। वर्ष 2010 में भारत ने बीजिंग अंतरराष्ट्रीय पुस्तक मेले में विशिष्ट अतिथि के रूप में भाग लिया था तथा छह वर्षों के बाद चीन नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेले में अतिथि देश होने जा रहा है जिससे दोनों देशों के परस्पर साहित्यिक एवं सांस्कृतिक संबंध अटूट होंगे।

"पिछले तीन वर्षों से भागीदारों की संख्या में बढ़ोतरी हुई है। यह नई दिल्ली विश्व पुस्तक मेला का अत्यंत महत्वपूर्ण भाग है।'' ये शब्द एनबीटी के अध्यक्ष श्री ए. सेतुमाधवन ने प्रगति मैदान, नई दिल्ली में 16 तथा 17 फरवरी, 2015 तक आयोजित किए जाने वाले नई दिल्ली प्रतिलिप्यधिकार मंच (राइट्स टेबल) के उद्घाटन अवसर पर कहे। इस अवसर पर एनबीटी के निदेशक, डॉ. एम.ए. सिकंदर, नेशनल बुक डेवलपमेंट काउंसिल ऑफ सिंगापुर के कार्यकारी निदेशक, श्री रामचंद्रन तथा यूनिवर्सिटी ग्रंथ निर्माण बोर्ड के समन्वयक, डॉ. आनंद भट्ट ने भी अपने विचार प्रस्तुत किए। यहाँ यूएसए, कनाडा, तेहरान, सिंगापुर, ताइवान, मलेशिया देशों सहित भारत तथा विदेशों के 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया।

कोरियाई संस्कृति के दर्शन

मेले में कोरियाई संस्कृति भारतीयों को विशेष रूप से आकर्षित कर रही है। भारत में कोरियाई संस्कृति को ताजा करने के लिए कोरियन सांस्कृतिक केंद्र (केसीसी) द्वारा एक कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में भाग लेने वाले सभी लोगों को हस्त पंखा दिया गया जिसमें उन्हें अपनी कला का प्रदर्शन करना था। सभी भागीदारों ने पंखे पर अलग–अलग प्रकार की चित्रकारी की। केसीसी का कहना है कि इस तरह की कार्यशालाएँ भारतीय आगंतुकों को कोरियाई संस्कृति की ओर उत्साहित करना चाहती हैं। भाषा और संस्कृति में अंतर होने के बावजूद भी सभी भारतीयों ने इस कार्यशाला में भरपूर आनंद उठाया।

साहित्य मंच एवं लेखक मंच

हॉल सं. 8 में बने साहित्य मंच पर कैंप फायर पब्लिकेशंस द्वारा अशोक चक्रधर की कविताओं का पाठ आयोजित किया गया जिसका संचालन युवा लेखिका वर्तिका द्वारा किया गया। यहाँ प्रसिद्ध लेखक अशोक चक्रधर ने अपनी कविताओं का पाठ किया व साथ ही, अपनी पुस्तक–'गांधी–मेरा

जीवन ही मेरा संदेश' के कुछ अंश पढ़कर श्रोताओं को सुनाए तथा बताया कि मोहनदास : ए ट्रू स्टोरी ऑफ ए मैन, हिज पीपल एण्ड एन अम्पायर' पुस्तक से प्रेरणा लेकर उन्होंने यह पुस्तक लिखी। कार्यक्रम के अंत में अशोक चक्रधर ने अपने प्रशंसकों को पुस्तकें हस्ताक्षरित कर भेंट कीं।

लेखक मंच पर आज दखल प्रकाशन द्वारा कविता पाठ का आयोजन किया गया जिसका संचालन हिंदी लेखक, अशोक पांडेय द्वारा किया गया। यहाँ उपस्थित अतिथि कवियों में शामिल थे रामजी तिवारी, सुजाता तेवतिया, कृष्ण कांत तथा जीतेंद्र श्रीवास्तव। यहाँ कवियों ने सभी श्रोताओं को अपनी कविताएँ सुनाईं। इस अवसर पर दो पुस्तकों का लोकार्पण भी हुआ जो थीं : अँधेरे समय के लोग' (रामजी तिवारी) तथा 'पहाड़ की जड़े' (लक्ष्मण सिंह बिष्ट बटरोही)

इसी मंच पर प्रयास संस्था द्वारा 'वर्तमान लघुकथा : सृजन और आलोचना' विषय पर 'प्रश्न और चर्चा' का आयोजन हुआ जिसमें वक्ता के रूप में विख्यात रचनाकार ममता किरण, भागीरथ, अशोक भाटिया, महेश दर्पण, बलराम अग्रवाल आदि उपस्थित थे।

थीम मंडप

पुस्तक मेले में बने थीम मंडप पर राष्ट्रीय पुस्तक न्यास द्वारा सिक्किम के कार्टूनिस्ट तथा सिक्किम कॉलेज में अँग्रेजी भाषा के विभागाध्यक्ष, श्री पंकज थापा से वार्तालाप का आयोजन किया गया। यहाँ पंकज थापा ने दर्शकों को अपने विभिन्न रोमांचक कार्टून दिखाए जिसमें पूर्वोत्तर की संस्कृति एवं साहित्य की झलक स्पष्ट रूप से देखी जा सकती थी।

विश्व पुस्तक मेले में परिचर्चाओं के क्रम में ही थीम मंडप पर 'ब्रिजिंग गैप्स : राइटर्स, हिस्टोरिअंस एंड राइटिंग हिस्ट्री ऑफ नार्थ ईस्ट इंडिया' विषय पर विचार–गोष्ठी का आयोजन राष्ट्रीय पुस्तक न्यास के सहयोग से सेंटर फॉर नॉर्थ–ईस्ट स्टडीज एंड पॉलिसी रिसर्च तथा जामिया मिल्लिया इस्लामिया द्वारा किया गया। कार्यक्रम के संचालक, संजय हजारिका ने एनबीटी. का आभार व्यक्त किया कि उन्होंने पूर्वोत्तर के इतिहास को भारतीयों के समक्ष लाने का सराहनीय प्रयास किया है। यहाँ विमर्शकर्त्ता के रूप में पूवोत्तर के प्रो. संजीव कोकोती; उपन्यासकार, अनुवादक व आलोचक, तिलोत्तमा मिश्रा तथा पूर्वोत्तर साहित्य की संपादक, सुश्री प्रीति गिल उपस्थित थीं।

बाल मंडप

प्रगति मैदान पर लगे बाल मंडप पर आज भी बच्चों के लिए रोचक एवं सृजनात्मक गतिविधियों की भरमार देखने को मिली। यहाँ स्वयं सेवी संगठन 'मोदो मिओ' द्वारा कथा वाचन कार्यशाला आयोजित की गई । इसमें अनन्या त्रिपाठी के निर्देशन में डीपीएस, आर.के.पुरम के बच्चों ने थिएटर के माध्यम से 'द गिविंग ट्री' शीर्षक कविता की नाट्य प्रस्तुति की। इस मंडप पर कंसोर्टियम ऑक्टेट की प्रस्तुति 'बुक बिंगो' बच्चों में पुस्तकों के प्रति न केवल रुचि बढ़ाने की एक अभिनव पहल है बल्कि बच्चों को पुस्तक, लेखक, लेखक के जन्म दिन आदि के संबंध में गतिविधि के माध्यम से खेल–खेल में जानकारी देने का भी एक अनूठा तरीका है। ऐसी गतिविधियाँ दूर–दराज के गाँवों में भी

आयोजित की जाती हैं। कार्यक्रम के अंत में बच्चों को एनबीटी की पुस्तकें पुरस्कार के रूप में दी गई तथा प्रमाण–पत्र भी वितरित किए गए।

आज बच्चों के मंडप पर वर्ल्ड कॉमिक्स इंडिया द्वारा शरद शर्मा के संचालन में एक विशाल डिजिटल स्क्रीन पर, कंप्यूटर के माध्यम से कार्टून बनाने की विधि दर्शाई गई। बच्चों को कार्टून बनाने के लिए सामग्री दी गई तथा बच्चों ने इन कार्टूनों को देखकर स्वयं कार्टून बनाने सीखें।

बाल मंडप पर विख्यात लेखक मनोज दास द्वारा पुस्तक प्रेमियों के साथ बातचीत की गई। उन्होंने एनबीटी द्वारा प्रकाशित अपनी पुस्तक 'सो मैनी स्माइलस' पर चर्चा की। उन्होंने अपनी कहानियों में अपनी बचपन की यादों, ग्रामीण जीवन की झलकियों, बच्चों का मनोविज्ञान तथा भोलापन प्रस्तुत किया है। इस अवसर पर एनबीटी द्वारा प्रकाशित दो अँग्रेजी पुस्तकें : अंडर स्टैंडिंग पारकिन्संस डिजीज़ : ए रीडर'स गाइड तथा बेसिल ब्लॉसम्स एंड अदर शॉर्ट स्टोरीज़ का लोकार्पण किया गया।

हॉल नं. 7–ए के सिंगापुर पेवैलियन में 'फ्लैश फिक्शन एवं शॉर्ट स्टोरीज़' 'द सिंगापुर एक्सीरिएंस' कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम में चीन मूल के लेखक ने सिंगापुर में शॉर्ट स्टोरीज़ के बारे में श्रोताओं को बताया तथा साथ ही, तमिल भारतीय कथाकार, राम कन्नाबिरन ने शॉर्ट स्टोरीज़ की विशेषताएँ प्रस्तुत की कि ये कहानियाँ 250 शब्दों में होनी चाहिए तथा इनमें कोई शिक्षाप्रद संदेश ज़रूर होना चाहिए।